भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 3380

दिनांक 26.03.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अंतर्गत शौचालयों का निर्माण

3380. श्री माजीद मेमनः

क्या **पेयजल और स्वच्छता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में शौचालयों के निर्माण का विचार रखती है;

(ख) क्या गांवों में महिलाओं को अभी भी शौच के लिए खुले में ही जाना पड़ता है;

(ग) महाराष्ट्र राज्य के लिए एसबीएम (ग्रामीण) के तहत कुल कितनी धनराशि की आवश्यकता है और इसमें केन्द्र का योगदान/ हिस्सेदारी कितनी है; और

(घ) राज्य के लिए विगत दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान एसबीएम (ग्रामीण) के तहत आवंटित और उपयोग में लाई गई धनराशि का जिले-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम(जी)] की शुरूआत 2 अक्तूबर, 2014 को हुई थी जिसका लक्ष्य देश में सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय की सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराकर 2 अक्तूबर, 2019 तक स्वच्छ भारत की प्राप्ति करना है। इस स्कीम का फोकस व्यवहारगत परिवर्तन तथा शौचालयों के उपयोग पर है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत, बेस लाइन सर्वे, 2012 के अनुसार गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों और गरीबी रेखा से ऊपर(एपीएल) के चिन्हित परिवारों (सभी अ.जा./अ.ज.जा., लघु और सीमांत किसानों, अधिवास वाले भूमिहीन मजदूरों, दिव्यांगजन और महिला प्रमुख परिवारों) को वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के निर्माण के लिए 12,000 रु. की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

(ख) दिनांक 02.10.2014 के अनुसार, देश में स्वच्छता कवरेज 38.70% था। दिनांक 22.03.2018 के अनुसार, यह बढ़कर 78.98% हो गया और 3,35,817 गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया गया है।

(ग) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मांग आधारित कार्यक्रम है। राज्य, प्रति वर्ष अपनी वार्षिक कार्यान्वयन योजना तैयार करते हैं और अपनी आवश्यकताएं दर्शाते हैं।

(घ) एसबीएम (जी) के अंतर्गत, राज्यों/संघ-राज्यों क्षेत्रों को निधियां जारी की जाती हैं। एसबीएम (जी) के अंतर्गत, पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में जारी और प्रयुक्त केंद्रीय अंशदान निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रूपए में)

वर्ष	रीलिज	प्रयुक्त
2015-16	567.45	644.49
2016-17	528.94	616.11
2017-18 (22.3.2018 तक)	1155.33	640.29